बनेगा सीएफसी, परवान चढ़ेगा टेराकोटा शिल्प का कारोबार

ओडीओपी में शामिल होने के बाद टेराकोटा शिल्प को मिली नई पहचान, उत्पादों की होगी पैकेजिंग

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। जिले की खास पहचान में शामिल टेराकोटा शिल्प अब और आगे बढ़ने वाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से टेराकोटा को ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) योजना में शामिल किए जाने के बाद से ही इस मिट्टी के शिल्प का कारोबार बढ़ रहा है।

अब खुटहन में 3.91 करोड़ की लागत से बनेगा कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी), जिससे टेराकोटा उत्पादों की पैकेजिंग की जाएगी और इन्हें बाहर सुरक्षित भेजा जा सकेगा।

यह प्रदेश की पहली ओडीओपी सीएफसी होगी, जिसे पूरी तरह महिलाएं संचालित करेंगी। इसमें करीब ढाई करोड़ की मशीनरी लगाई जाएगी, जिसमें सीटर, लैमिनेटर, प्रिंटर, स्लॉटर, कोरिलेशन, पंचिंग और अन्य उपकरण शामिल होंगे। यहां पैकेजिंग, डिजाइनिंग और प्रिंटिंग से संबंधित प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे यह पैकेजिंग इंस्टीट्यूट का काम भी करेगा।

ओडीओपी योजना में शामिल होने के बाद टेराकोटा शिल्पकारों को संसाधन, वित्तीय और तकनीकी मदद मिली है। इलेक्ट्रिक चाक, पगमिल जैसी मशीनों से उत्पादकता तीन-चार गुना बढ़ गई है। टेराकोटा के मूल गांव औरंगाबाद के अलावा गुलरिहा, भरवलिया, जंगल एकला नंबर-दो, अशरफपुर, हाफिज नगर, पादरी बाजार, बेलवा, बालापार और अन्य गांवों में भी उद्योग तेजी से फैल रहा है।

टेराकोटा का उत्पाद बनाती महिला कारीगर। संवाद

*सीएफसी बनाने का कार्य अब तेजी से किया जाएगा। आधुनिक मशीनें लगाकर टेराकोटा के कारीगरों की ओर से बनाए उत्पादों की सस्ते दाम में पैकेजिंग कर उन्हें नया लुक दिया जाएगा। - **संगीता पांडेय,** उद्यमी*

*वर्तमान में बाहर भेजने के दौरान मिट्टी के यह उत्पाद टूट जाते हैं जिससे नुकसान होता है। पैकेजिंग से उत्पाद सुरक्षित रूप से गंतव्य तक पहुंचेंगे और कारोबार को संजीवनी मिलेगी - **राजन प्रजापति,** टेराकोटा शिल्पकार, गुलरिहा*

शहर के प्रमुख स्थानों पर बनेंगे सेल्फी पॉइंट

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में नगर निगम ने शहर को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए विशेष सुंदरीकरण योजना तैयार की है। इसके तहत शहर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर आधुनिक कलाकृतियों और सेल्फी पॉइंट्स का निर्माण किया जाएगा। नगर निगम के अनुसार, आठ चिह्नित स्थानों नंदानगर, गुलरिहा थाना के पास, अमरूद मंडी, गोलघर काली मंदिर, मोहद्दीपुर चौराहा, गोरखपुर क्लब के पास, महेसरा पुल और नौसड़ क्षेत्र पर आकर्षक सेल्फी पॉइंट्स बनाए जाएंगे। सुंदरीकरण अभियान में केवल सेल्फी प्वाइंट ही नहीं बल्कि यातायात चौराहों और दीवारों पर कलात्मक पेंटिंग और मूर्तिकला कार्य भी किए जाएंगे। विशेष रूप से यातायात चौराहा पर सांस्कृतिक और आधुनिकता का संगम दिखाने वाली पेंटिंग की जाएगी। मुख्य अभियंता अमित शर्मा ने बताया कि इस परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसका अनुमानित बजट 22 लाख रुपये रखा गया है। अगले दो से तीन महीने में कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। ब्यूरो